बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २००८)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)	**सत्संग परिचय - १**	कुल गुण : ७५

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - प्रथम संस्करण, जनवरी २००१

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''कन्या को इस प्रकार मार डालने से तीन प्रकार की हत्या का पाप लगता है ।'' ३९

२. ''आपका भी अभी-अभी गद्दी पर पट्टाभिषेक हुआ है ।'' ६

३. ''तुम्हारे यहाँ जो रसोई तैयार हो ले आओ । हम तुम्हारा ही अन्न खाँएगे ।'' ९०

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. बिशप हेबर को हुआ कि मेरे अंगरक्षक मुझे पहचानते नहीं और न मेरी पर्वाह करते हैं । १३१

२. 'आप लोग कबूतर के कबूतर ही रहे ।' ऐसा श्रीजीमहाराज ने परमहंसों से कहा । ८९

३. डनलप महोदय ने ताम्रपत्र पर लिखकर महाराज को भूमि दे दी । ११८

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) **(५ गुण)**

१. गवर्नर माल्कम से भेंट । १५२

२. कल्पित भय एवं वहम से मुक्ति । ३१

३. संवत् १८६९ के वर्ष में अकाल । ८४

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. शोभाराम ने कैसा जीवन बनाया ? ६८

२. श्रीजीमहाराज ने कौन से चारों हरिभक्तों को मेमका छोड़कर चले जाने की आज्ञा की ? २६

३. पातलभाई की पत्नी क्यों पछतावा करने लगी ? २३

४. आत्मानंद स्वामी का अपमान होते ही महाराज ने साधुओं को क्या आज्ञा दी ? ५४

५. भूज में मन्दिर के निर्माण के लिए महाराज ने किसे भेजा ? १२२

प्रश्न.५. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(४ गुण)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. जूनागढ मन्दिर में मूर्तिप्रतिष्ठा । १४६

(१) ☐ संवत् १८८२ । (२) ☐ आप या आप जैसे फकीर को रखना ।

(३) ☐ ये साधु मुझ जैसे ही हैं । (४) ☐ संवत् १८७८ ।

२. शूद्रों को द्विजत्व दिया । १३९

(१) ☐ गाँव में कोई ब्राह्मण या वैश्य नहीं है । (२) ☐ विशुद्ध आचार विचारवाले आदर्श भक्त बने ।

(३) ☐ ब्राह्मणों जैसी विद्धता आएगी । (४) ☐ महाराज तीन दिन रहे ।

प्रश्न.६. निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(५ गुण)**

१. महाराज ने कुनबी लड़के को अपनी ..... से बाल काट कर दे दिये । १०८

२. महाराज ने ..... स्वामी को जड़भरत कहा । १२४

३. आत्मानंद स्वामी ..... कहे जाते थे । ५३

४. ..... को गाजर बैरी हुए । ५१

५. ..... को लात मारने की आदत महाराज ने छुड़वाई । ९६

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलाई २०००

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(९ गुण)**

१. ''भगवान के प्रसाद में किसी को स्वाद नहीं देखना चाहिए ।'' ३३

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १५ जून, २००८; परीक्षा - सत्संग परिचय - १; माध्यम - हिन्दी; समय - सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

५०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केन्द्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केन्द्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहनेवाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

२. ''स्वामिनारायण के साधु प्रेमानन्द का संगीत सुनने के पश्चात् ओर किसी का संगीत सुनने का मन नहीं होता ।'' १६

३. ''मैं अकेला हजारों का नाश कर दूंगा ।'' ३९

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (४ गुण)

१. श्रीजीमहाराज ने लाडुबा और जीवुबा के यहाँ दस-दस दिन भोजन करने का प्रारम्भ किया । ४७

२. शास्त्रीजी महाराज ने अक्षरपुरुषोत्तम के मन्दिर बनाने की हा कही । ६१

प्रश्न.९. निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) (५ गुण)

१. मूलजी ब्रह्मचारी का स्वप्न । २४

२. शुद्ध उपासना के प्रवर्तन में जागा भक्त का योगदान । ५३

३. नित्यानन्द स्वामी की हास्य-विनोदयुक्त वाणी । ५

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (४ गुण)

१. ध्यानमग्न अवस्था में अयोध्याप्रसादजी महाराज को क्या हुआ ? ३३

२. वचनामृत में नित्यानंद स्वामी के लिए महाराज ने क्या कहा ? ८

३. टीले के ऊपर साधुओं को देखकर महाराज ने जीवाखाचर से क्या कहा ? ४२

४. महाराज ने अपने पूर्ण पुरुषोत्तम स्वरूप की बातें किसको कही ? १६

प्रश्न.११. निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (५ गुण)

विषय :- वळी सौ सांभळो रे..... पद का हार्द लिखिए । २१

१. श्रीहरि की जो भी बात है, वह परम सिद्धांत और सबके लिए हितकारी है । **२.** श्रीहरि का धाम तेजोमय है । **३.** श्रीहरि के धाम में जाने के लिए श्रीहरि की शुद्ध भाव से, निष्काम भाव से सेवा करनी चाहिए । **४.** श्रीहरि अपने धाम में द्विभुज, दिव्य और सदा साकार रुप में बिराजमान हैं । **५.** श्रीहरि के अंगो में से अगणित सूर्य का प्रकाश आता है । **६.** श्रीहरि के समीप रहने के लिए पंचविषय को मिथ्या करने की आवश्यकता है । **७.** श्रीहरि के बिना सारे आकार मायिक हैं । **८.** प्रेमानंद स्वामी के नयन श्रीहरि की मूर्ति को देखकर तृप्त नहीं होते । **९.** श्रीहरि सब के प्रेरक भगवान हैं । **१०.** जिस प्रकार तारों के बीच चंद्र शोभा देता है, उसी प्रकार श्रीहरि संतो के बीच शोभा देते हैं ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (४ गुण)

१. हरजीवनभाई को लोग प्रेम से कृष्णजी अदा कहते थे । ६९

२. द्रविड शास्त्री सद्गुरुओं के दर्शन से खुश हुए । ६२

३. संवत २००९ में दादाखाचर ने सारंगपुर में देह त्याग किया । ४३

४. शुकानंद स्वामी ने कहा, ''गुणातीतानंद स्वामी जैसा साधु और मूलजी ब्रह्मचारी जैसा ब्रह्मचारी नहीं होगा ।'' २८

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। (१० गुण)

१. मन्दिर - हिन्दु अस्मिता का अविचल स्तम्भ ।

२. सुखी जीवन की नींव - परिवार की एकता ।

३. ज्ञान और भक्ति का पोषक - आह्निक ।

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १३ जुलाई, २००८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे ।

❋ ❋ ❋